अमर उजाला

07.10.2018

विजेता मुक्केबाज अमित पंघाल ने बढ़ाया हौसला

छात्र-छात्राएं शामिल हुए मैराथन में दिखाया दम

आईआईटी बीएचयू के जिमखाना मैदान में 'रन फार कॉज ' स्पर्धा में दौड़ लगाते भावी इंजीनियर। अमर उजाला

अच्छी सेहत, ग्राम्य विकास के लिए

दौड़े आईआईटीयंस

अमर उजाला ब्यूरो

आईआईटी बीएचयू में वार्षिक खेल उत्सव स्पर्धा का अमर उजाला है मीडिया पार्टनर

वाराणसी। अच्छी सेहत और ग्राम्य विकास का संकल्प लेकर शनिवार को भावी इंजीनियरों ने लंबी दौड़ लगाई। मौका था आईआईटी वार्षिक खेल उत्सव स्पर्धा 2018 के तहत मैराथन 'रन-फार कॉज' का। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने इसमें हिस्सा लिया। एशियन गेम्स 2018 में स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज अमित पंघाल ने सभी का हौसला बढ़ाया। उन्होंने जिमखाना मैदान में हरी झंडी दिखाकर धावकों को रवाना किया।

आईआईटी परिसर में स्पर्धा के मुख्य आयोजन भले ही 26 से 28 अक्तूबर तक होंगे लेकिन इसके पहले होने वाले प्री इवेंट को लेकर भी छात्र-छात्रा बहुत उत्साहित हैं। स्पोर्टस विंग के काउंसलर डॉ. आरएस सिंह, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. बीएन राय की मौजूदगी में मैराथन में 400 से अधिक में संतोष और छात्राओं में प्रेमलता ने पहला स्थान हासिल किया। इसके बाद श्रवण और शिवांगी पहले रनर अप और उमेश पाल, दीपांजलि दूसरे रनरअप रहे। विजेताओं को मुख्य अतिथि अमित पंघाल ने सम्मानित किया। यूनाइट फाउंडेशन की ओर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और सदस्यता कार्ड दिया गया। स्पर्धा 2018 मीडिया पार्टनर अमर उजाला है। कार्यक्रम में डॉ. प्रमोद त्रिपाठी, स्पर्धा के संयोजक सौरभ कुमार मीणा, हर्षित चौधरी, भरत जैन, राहुल मीणा, इशिता हिंगर, राहुल रंजन, जतिन कपूर, हर्ष राज, यश, स्पर्श आदि मौजूद रहे। सात अक्तूबर को राजपुताना ग्राउंड पर होने वाले कार्यक्रम में सांस्कृतिक

छह साल पहले बीएचयू में खेल चुके हैं पंघाल

रबीश श्रीवास्तव

वाराणसी। एशियाड के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघाल बनारस आकर बहुत खुश दिखे। वह छह साल पहले बीएचयू में खेल चुके हैं। वर्ष 2012 में वह इंटर यूनिवर्सिटी कंपटीशन में भाग लेने आए थे। हरियाणा के मुक्केबाज ने अमर उजाला से विशेष बातचीत में अपनी भविष्य की तैयारियों के बारे में भी बताया। बीएचयू आईआईटी के वार्षिक खेल उत्सव स्पर्धा 2018 के तहत मैराथन 'रन फार कॉज' में शनिवार को छात्र छात्राओं का उत्साह बढ़ाने पहुंचे पंघाल के लिए काशी आने का यह दूसरा मौका था। उन्होंने बताया कि एशियन गेम्स में उन्होंने 49 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। अब वह 52 किलोग्राम भार वर्ग में तैयारी कर रहे हैं। बॉक्सिंग फेडरेशन के सहयोग से इसके लिए यूएस में ट्रेनिंग के

एशियाड स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज से विशेष बातचीत

49 की जगह अब 52 किग्रा भार वर्ग में खेलने की तैयारी

स्पर्धा के दौरान अमित पंघाल को सम्मानित करते प्रो. बीएन राय।

कबड्डी, हॉकी, कुश्ती हो या मुक्केबाजी हर खेल को इस समय बढ़ावा मिल रहा है। यही वजह है कि हर खेल में पदकों का इजाफा हो रहा है। एशियाड में हॉकी महिला टीम ने भी सिल्वर मेडल अपने नाम किया। कबड्डी सहित अन्य खेलों में तीसरे नंबर के खिलाड़ी को आज मौका मिल रहा है, यह बहुत जरूरी है। उन्होंने खेल मंत्रालय और विशेषकर खेल राज्यमंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस उत्थान में राज्यवर्धन का बड़ा योगदान है। वह

पं. ओंकारनाथ ठाकुर सभागार में उपस्थित छात्राएं।

लोक संस्कृति के कार्यक्रम में युवाओं को जोड़ना होग

बीएचयू में तीन दिवसीय इंटरनेशनल सेमिनार का समापन

लोकगीतों के माध्यम से बताया गया कला, संस्कृति का महत्व

अपनी बात रखतीं डॉ.पारुल

वाराणसी। बीएचयू संगीत एवं मंचकला सं के नृत्य विभाग की ओ चल रहे तीन दिव इंटरनेशनल सेमीनार संस्कृति संवर्धनम अंतिम दिन वक्ताओं लोक संस्कृति से मुद्दों पर विस्तृत की। लोगों ने इस संस्कृति के आयोजन अधिक से अधिक यु की भागीदारी को बताया और कहा युवाओं को ही संस्कृ संरक्षण के लिए आना होगा।

पं. ओंकारनाथ ठ सभागार में अंतिम की शुरूआत विभागा डॉ. विधि नागर, प्रेम होम्बल और दीपान्विता सिन्हा रॉय पं ओंकारनाथ ठा प्रतिमा पर माल्यार्पण हुई। इसके बाद डॉ. दीक्षा ने वृत्त चित्र के माध्य अमेरिका के खाद्य संस्कार विषय के बारे में ब पश्चिम बंगाल से आयी डॉ. नीता विद्यार्थी ने कह लोक किसी विधा या परम्परा का नाम नहीं है यह जीने की शैली को व्यक्त करता है। महाराष्ट्र से रा शिरके ने तीन दिन के आयोजनों पर प्रकाश डाला। मि से आई प्रो. लावण्या कीर्ति सिंह ने बिहार की वि संस्कार गीतों एवं लोक गीतों को प्रस्तुत करते हुए कह पूरब अंग की गायकी लोक को अत्यंत समृद्ध करत इसके अलावा डॉ. पारुल शाह ने गुजरात के रास नृ माध्यम से लोक संस्कृति पर प्रकाश डाला। इस दौरा राजेश शाह, प्रो. के शशि कुमार, प्रो. संगीता सिंह के ही सभागार के ध्वनि संचालक नरेंद्र मिश्र को सम्म किया गया। कार्यक्रम में प्रो. संगीता पंडित, डॉ. चंचल, डॉ. ज्ञानेश चंद्र पांडेय, डॉ. सुप्रिया शाह, मधुमिता भट्टाचार्या आदि मौजूद रहे। ब्यूरो